MAY
2025

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश

THE TIMES OF INDIA

Jal Shakti minister to check water projects

Lucknow: Amid reports of laxity in work and discrepancies in implementation of 'Har Ghar Jal' scheme, jal shakti minister Swatantra Dev Singh will visit villages in Bundelkhand and Vindhya regions for ground level fact-check and to evaluate progress of Jal Jeevan Mission. During a review of the scheme on Tuesday, additional chief secretary Anurag Srivastava had expressed concern over reports of progress of the project in Mirzapur. He told officials to probe implementing agencies Ramki Baba and Megha and initiate necessary action if discrepancies were found and also directed ADMs and executive engineers to conduct regular block-level monitoring to ensure efficient execution of water supply initiatives. TNN

अमर उजाला

मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार, होगी कार्रवाई

लखनऊ। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुंदेलखंड, विंध्य क्षेत्र में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने दोषियों को जेल भेजने की चेतावनी भी दी। साथ ही, थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने को कहा। बैठक में प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति अनुराग श्रीवास्तव ने भी मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताई। ब्यूरो

JAGRAN Epaper
May 21, 2025

जल जीवन मिशन में धीमी रफ्तार को कार्यदायी संस्थाओं पर कार्रवाई होगी

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल जीवन मिशन में मीरजापुर के कार्यों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मिशन के कार्यों में मिल रहीं शिकायतों को देखते हुए उन्होंने योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने के लिए खुद जिलों में जाने का निर्णय लिया है। पहले चरण में मंत्री बुंदेलखंड और विंध्य के नौ जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का आकस्मिक निरीक्षण कर आमजन से योजनाओं के बारे में जानकारी लेंगे।

जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड व विंध्य क्षेत्र में जल जीवन मिशन की मंगलवार को समीक्षा करते हुए हर घर जल योजना से आच्छादित गांवों की सूची मांगी है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान जहां भी गड़बड़ी मिलेगी, वहां कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई गड़बड़ी मिली तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। थर्ड पार्टी एजेंसियां प्रतिदिन निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट तैयार करें। बैठक में प्रमुख सचिव अनुराग व जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद भी मौजूद थे।

हर घर जलापूर्ति की हकीकत जानने विन्ध्य, बुंदेलखंड के गांवगांव जाएँगे जलशक्ति मंत्री

थर्ड पार्टी एजेंसियां रोजाना निरीक्षण कर रिपोर्ट करें तैयार

बुंदेलखंड, विन्ध्य में जलापूर्ति की समीक्षा पर बोले जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव

मिजार्पुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई

बैठक में जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव समेत कई अधिकारी रहे मौजूद

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुदिलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे।

इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे। इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदिलखंड, विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल गांव की सूची भी मांगी। इस दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

मिजार्पुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिजार्पुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जतायी।

उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

हर घर जलापूर्ति की हकीकत जानने विन्ध्य, बुंदेलखंड के गांव-गांव जाएँगे जलशक्ति मंत्री

- थर्ड पार्टी एजेंसियां रोजाना निरीक्षण कर रिपोर्ट करें तैयार
- बुंदेलखंड, विन्ध्य में जलापूर्ति की समीक्षा पर बोले जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव
- मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई
- बैठक में जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव समेत कई अधिकारी रहे मौजूद

(ज्ञान संदेश समाचार)

लखनऊ,। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे। इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड, विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल गांव की सूची भी मांगी। इस दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

हिन्दुस्तान

मंत्री परखेंगे हर घर जल की हकीकत

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो ।इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के नौ जिलों का दौरा करेंगे।

हर घर जलापूर्ति की हकीकत जानने विंध्य, बुंदेलखंड के गांव-गांव जाएंगे : जलशक्ति मंत्री

थर्ड पार्टी एजेंसियां रोजाना निरीक्षण कर रिपोर्ट करें तैयार, मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई

स्वरूप ब्यूरो

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे। इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड, विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल गांव की सूची भी मांगी। इस दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

स्वतंत्र भारत

जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे मंत्री

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री

पहले चरण में बुंदेलखंड व विन्ध्य क्षेत्र में दौरा

स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे।

इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड, विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल गांव की सूची भी मांगी। इस दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

जल जीवन मिशन के कामों पर नाराजगी

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

विश्ववार्ता
www.vishwavarta.com
सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

थर्ड पार्टी एजेंसियां रोजाना निरीक्षण कर रिपोर्ट करें तैयार

हर घर जलापूर्ति की हकीकत जानने विन्ध्य, बुंदेलखंड के गांव–गांव जाएँगे जलशक्ति मंत्री

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे। इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड, विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल गांव की सूची भी मांगी। इस दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाईसमीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

जल जीवन मिशन से बदली बुंदेलखंड की दशा-दिशा

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के अध्ययन ने लगाई मुहर

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। जल जीवन मिशन योजना के तहत हर घर नल परियोजना से बुंदेलखंड की दशा-दिशा बदल दी। यह दावा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के अध्ययन का है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ने बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, झांसी, जालौन, महोबा और ललितपुर के 10-10 गांवों में जाकर सर्वे किया। एक तरफ विश्वविद्यालय ने जहां स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक मानकों व सामाजिक दृष्टिकोण में आए सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया तो कई सुझाव भी दिए।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की यह रिपोर्ट स्वास्थ्य सुधार, शिक्षा पर प्रभाव, आर्थिक व सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक सामंजस्य व दृष्टिकोण, रोजगार समेत पांच पहलुओं को लेकर की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक गांव के प्रत्येक परिवारों को साफ पीने का पानी उपलब्ध हो रहा है, जिससे जल जनित बीमारियों से छुटकारा और पाचन क्रिया में सुधार हुआ। मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है। गंदे पानी के कारण हड्डियां कमजोर होती थीं, जिसमें कमी आई है। कृषि जमीन उपजाऊ हो गई। मनरेगा में युवाओं द्वारा काम की मांग भी बढ़ी है। युवाओं का पलायन रुका। जल की उपलब्धता से पशुपालन के अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं।

सात जिलों के 10-10 गांवों में किया गया अध्ययन

ढाई महीने में बुंदेलखंड के सात जनपदों के 70 गांव में टीम ने अध्ययन किया गया। टीम ने पाया कि हर घर जल की वजह से आमजन के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। हर परिवार के पास पानी पहुंच गया है। पीने के पानी के कारण लोगों का स्वास्थ्य काफी अच्छा रहा है। **-डॉ. यतीन्द्र मिश्र, असोसिएट प्रोफेसर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी**

जल जीवन मिशन से बदली बुंदेलखंड की तस्वीर

राब्यू, जागरण● लखनऊ : 'हर घर नल से जल' योजना ने बुंदेलखंड की दशा और दिशा बदल दी है। यह दावा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के समाज कार्य विभाग के अध्ययन में किया गया है। यह अध्ययन राज्य जल व स्वच्छता मिशन कार्यालय के आग्रह पर बुंदेलखंड के सात जिलों-बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, झांसी, जालौन, महोबा और ललितपुर के 70 गांवों में किया गया। अध्ययन में सामने आया कि योजना से ग्रामीणों के जीवन स्तर, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सोच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। महिलाओं को सिर पर पानी ढोने से राहत मिली जिससे उनकी सेहत सुधरी और सम्मान भी बढ़ा। गांवों में पेयजल पहुंचने से स्कूलों में बालिकाओं का नामांकन बढ़ा और ड्रापआउट दर घटी। रोजगार के अवसर बढ़े, जिससे पलायन भी घटा है। विश्वविद्यालय ने पानी की बचत व उपभोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने, जल सहेलियों को प्रशिक्षित करने और पंचायतों को सक्रिय भूमिका देने के सुझाव दिए हैं।

जल जीवन मिशन से सुधरा बुंदेलखंड के लोगों का आर्थिक और सामाजिक स्तर

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : जल जीवन मिशन ने बुंदेलखंड के ग्रामीण इलाकों में घर-घर नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाकर लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव किया है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के अध्ययन के अनुसार, इस योजना ने स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक स्तर, सामाजिक सामंजस्य और रोजगार जैसे पांच क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डाला है।

स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार: प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल मिलने से जलजनित बीमारियां कम हुईं, पाचन तंत्र बेहतर हुआ, और पेट की समस्याएं घटीं। इससे कार्यक्षमता बढ़ी और इलाज पर खर्च कम हुआ। स्कूलों में नल कनेक्शन पहुंचने से स्वच्छता में सुधार हुआ, जिससे ड्रॉपआउट दर घटी और शिक्षा स्तर बेहतर हुआ।

आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन: स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता ने सामाजिक भेदभाव, खासकर जातिगत भेदभाव, को कम किया। रहन-सहन का स्तर सुधरा, और सामुदायिक संबंध मजबूत हुए। नल कनेक्शन के लिए किए गए कार्यों से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़े, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ।

बुंदेलखंड विवि के समाज कल्याण विभाग ने किया अध्ययन

विश्वविद्यालय के सुझाव: रिपोर्ट में जल संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने, सामाजिक कार्यकर्ताओं और एनजीओ के साथ मिलकर जल संरक्षण तकनीकों पर शिक्षा देने, और पंचायत सदस्यों व फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं की भूमिका बढ़ाने का सुझाव दिया गया है।

> **“ टीम ने ढाई महीने बुंदेलखंड के सात जिलों के 70 गांव में टीम ने अध्ययन किया गया। हमने पाया कि हर घर जल की वजह से आमजन के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। हर परिवार के पास पानी पहुंच गया है। साफ पानी के कारण लोगों का स्वास्थ्य काफी अच्छा रहा है।**
>
> *डॉ. यतींद्र मिश्र, असोसिएट प्रफेसर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी*

अमर उजाला प्रीमियम

UP: हर घर जलापूर्ति की हकीकत जानने गांव-गांव जाएंगे जलशक्ति मंत्री, लापरवाही बरतने वालों को दी चेतावनी

अमर उजाला नेटवर्क, लखनऊ Published by: विजय पुंडीर Updated Wed, 21 May 2025 09:30 AM IST

बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल गांव की सूची भी मांगी।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह

गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे।

इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड, विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल गांव की सूची भी मांगी। इस दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
Influencing Public Opinion Since 1959
21/05/2025

उत्तर प्रदेश : 'हर घर जलापूर्ति' की हकीकत जानने विंध्य और बुंदेलखंड जाएंगे जल शक्ति मंत्री

जल जीवन मिशन योजना की जमीनी हकीकत जानने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रचंड गर्मी के महीनों में जलापूर्ति सुचारू बनी रहे

लखनऊ। जल जीवन मिशन योजना की जमीनी हकीकत जानने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रचंड गर्मी के महीनों में जलापूर्ति सुचारू बनी रहे, उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे।

पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विंध्य के नौ जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे। मंगलवार को बुंदेलखंड और विंध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में उन्होंने इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से हर जिले में घोषित 'हर घर जल गांव' की सूची भी मांगी।

बैठक में जल शक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जल शक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक के दौरान 'नमामि गंगे' एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताई। उन्होंने कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए।

इस दौरान जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद और विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

स्वतंत्र देव सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बैठक की जानकारी देते हुए लिखा, "प्रधान कार्यालय, उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर बुंदेलखंड क्षेत्र में जल जीवन मिशन की चलित परियोजनाओं के संबंध में समीक्षा बैठक की।"

'जल जीवन मिशन' का उद्देश्य देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को किफायती शुल्क पर नियमित और दीर्घकालिक आधार पर पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। इसके तहत कई जिलों में यह योजना शुरू की गई है, जिससे लाखों लोगों को

हिन्दुस्तान

हर घर जलापूर्ति की हकीकत जानने विन्ध्य, बुंदेलखंड के गांव-गांव जाएँगे जलशक्ति मंत्री

Lucknow News - -थर्ड पार्टी एजेंसियां रोजाना निरीक्षण कर रिपोर्ट करें तैयार -बुंदेलखंड, विन्ध्य में जलापूर्ति की समीक्षा

Newswrap ▪ **हिन्दुस्तान**, लखनऊ

Tue, 20 May 2025 05:57 PM

हिन्दुस्तान

-मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई -बैठक में जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव समेत कई अधिकारी रहे मौजूद लखनऊ, विशेष संवाददाता गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के नौ जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे। इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड, विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल गांव की सूची भी मांगी। इस दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

जागरण

हर घर जलापूर्ति की हकीकत जानने विन्ध्य, बुंदेलखंड के गांव-गांव जाएंगे जलशक्ति मंत्री

गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे ताकि पता चल सके कि जमीनी हालात क्या हैं।

BY **JAGRAN NEWS**
EDITED BY: **GAURAV TIWARI**
UPDATED: TUE, 20 MAY 2025 04:55 PM (IST)

जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि

डिजिटल टीम, लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे। इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड, विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल गांव की सूची भी मांगी। इस दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

जंग-ए आवाज़

हर घर जलापूर्ति की हकीकत जानने विन्ध्य, बुंदेलखंड के गांव-गांव जाएँगे जलशक्ति मंत्री*

By Admin
Published - 20 May 2025

192 views

हर घर जलापूर्ति की हकीकत जानने विन्ध्य, बुंदेलखंड के गांव-गांव जाएँगे जलशक्ति मंत्री*

- थर्ड पार्टी एजेंसियां रोजाना निरीक्षण कर रिपोर्ट करें तैयार
- बुंदेलखंड, विन्ध्य में जलापूर्ति की समीक्षा पर बोले जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव
- मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई
- बैठक में जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव समेत कई अधिकारी रहे मौजूद

-

लखनऊ,20 मई। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा कर जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे। पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे। इसके लिए खाका तैयार करने के निर्देश मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड, विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए। जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों से हर जिले में घोषित हर घर जल गांव की सूची भी मांगी। इस दौरान जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

मिर्जापुर में काम की धीमी रफ्तार पर कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

NBT
नवभारत टाइम्स
By THE TIMES OF INDIA

हम खुद जिलों का दौरा करेंगे... ऐसा क्या हुआ कि जलशक्ति मंत्री ने कर दिया ऐलान, अपर मुख्य सचिव भी दिखे नाराज

Edited By: विशाल चौबे | Navbharat Times • 21 May 2025, 9:51 am

उत्तर प्रदेश में गर्मियों के दौरान ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा करेंगे। पहले चरण में बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों में जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लिया जाएगा।

जलशक्ति मंत्री हर जिलों का दौरा करेंगे (फोटो- नवभारतटाइम्स.कॉम)

लखनऊ: गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति का कोई संकट न हो। इसके लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जिलों का दौरा करेंगे और जल जीवन मिशन योजनाओं की जमीनी हकीकत जानेंगे।

पहले चरण में जलशक्ति मंत्री बुंदेलखंड और विन्ध्य के 9 जिलों का दौरा करेंगे। इस दौरान गांवों का औचक निरीक्षण कर लोगों से फीडबैक लेंगे। इसके लिए खाका तैयार करने के लिए मंगलवार को जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड और विन्ध्य में जल जीवन मिशन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने हर जिले में अधिकारियों से घोषित हर घर जल गांव की सूची मांगी। बैठक में जलशक्ति मंत्री ने काम में लापरवाही बरत रही एजेंसियों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर काम में कोई गड़बड़ी मिलती है, तो दोषियों को जेल भेजा जाएगा। जलशक्ति मंत्री ने थर्ड पार्टी एजेंसियों को निरीक्षण कर रोजाना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। इस बैठक में जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद और प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव समेत विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यदायी संस्था पर होगी कार्रवाई

समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने मिर्जापुर में जल जीवन मिशन के कामों की धीमी रफ्तार पर नाराजगी जताई। उन्होंने कार्यदायी संस्था रामकी बाबा और मेघा के कार्यों की जांच कराने और गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में मौजूद सभी एडीएम और अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया। प्रमुख सचिव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। इस बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ एजेंसियां, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

अमर उजाला

UP: PM मोदी-CM योगी ने जल जीवन मिशन से बदली बुंदेलखंड की दशा-दिशा, BU के अध्ययन ने लगाई मुहर

न्यूज डेस्क, अमर उजाला, लखनऊ Published by: विकास कुमार Updated Sun, 25 May 2025 05:25 PM IST

सार

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने जल जीवन मिशन योजना के लागू होने के बाद आमजन के जीवन में आए बदलावों का जिक्र किया। यह रिपोर्ट स्वास्थ्य सुधार, शिक्षा पर प्रभाव,आर्थिक व सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक सामंजस्य व दृष्टिकोण, रोजगार समेत पांच पहलुओं को लेकर की गई है।

पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ - फोटो : सोशल मीडिया

विस्तार

पीएम मोदी व सीएम योगी ने जल जीवन मिशन योजना के तहत हर घर नल परियोजना से बुंदेलखंड की दशा-दिशा बदल दी। यह दावा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग का अध्ययन कर रहा है। राज्य जल व स्वच्छता मिशन कार्यालय के आग्रह पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ने सभी सातों जनपदों के 10-10 गांवों में जाकर सर्वे किया। एक तरफ विश्वविद्यालय ने जहां स्वास्थ्य, शिक्षाआर्थिक मानकों व सामाजिक दृष्टिकोण में आए सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया तो वहीं कई विभाग को कई सुझाव भी दिए। अध्ययनमहिलाओं, युवाओं, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों आदि से बातचीत के आधार पर किया गया। अध्ययन के जरिए बुंदेलखंड के लोगों के जीवन में आए बदलाव को रेखांकित किया गया।

बुंदेलखंड के सातों जनपदों के 10-10 गांवों में हुआ सर्वे

बांदाः नारायणपुर, गझिवा सानी, जखनी, गोरेमऊ कलां, डाडामऊ, नरी, सहूरपुर,गरौली शुक्ल, थरथुआ व बड़ांखर खुर्द
चित्रकूटः देउंधा,चहटा, नोनमई, बुधवल, बरहट, रामटेकवा, बसावनपुर, मानिकपुर, सरहट व हनुवा
हमीरपुरः हरौलीपुर, पचखुरा, बिलौटा, रिऊआ, हसऊपुर सैंसा, धरकपुर, जरिया टीला, करगवा, टिकुर व अतरा
झांसीः गुवावली, बेजपुर, सिया, सुल्तानपुरा, पुरवा, घाटकोटरा, पारीक्षा, तिलेथा, गेरहा व चिरकना
जालौनः हथेरी, चमारी, रायपुरा, रवा, रूरा सिरसा, सला (जम्होरी खुर्द), झगुई खुर्द, मषई एट (घमसेनी), जौसारी खुर्द व गिरथान
महोबाः बरी, बघवा खेड़ा, गड़हरी, रिहुनिया, इमली खेड़ा, बमनेथा, काशीपुरा, लिलवा, धनावन व कुरौरा डांग
ललितपुरः रामपुर, बदनपुर, पिपरट, बम्होरी, कचनौदा, गुगखारा, कल्याणपुरा, गदयाना, इक्कलगुवा व थनरावा

विश्वविद्यालय ने योजना लागू होने के बाद आए बदलावों का किया जिक्र

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने जल जीवन मिशन योजना के लागू होने के बाद आमजन के जीवन में आए बदलावों का जिक्र किया। यह रिपोर्ट स्वास्थ्य सुधार, शिक्षा पर प्रभाव,आर्थिक व सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक सामंजस्य व दृष्टिकोण, रोजगार समेत पांच पहलुओं को लेकर की गई है।

विज्ञापन

स्वास्थ्य सुधार

रिपोर्ट के मुताबिक गांव के प्रत्येक परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है,जिससे लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आया है। जल जनित बीमारियों से छुटकारा और पाचन क्रिया में सुधार हुआ। पेट संबंधी समस्याएं भी कम हुई हैं। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से मानसिक सुकून मिला, जिससे कार्य क्षमता में वृद्धि हुई। मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है। गर्भवती व स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ। दूर से जल लाने के कारण होने वाले गर्दन व कमर दर्द से निजात मिला। दूषित जल के कारण हड्डियां कमजोर होती थीं, जिसमें कमी आई है। इलाज पर होने वाले खर्च से पैसे में काफी बचत।

शिक्षा पर प्रभाव

योजना से विद्यालयों को पूर्णतः संतप्त कर दिया गया है। स्कूलों में बच्चों (खासतौर पर बालिकाओं) का नामांकन बढ़ा है। ड्राप आउट कम हुआ। योजना के कारण स्वच्छता में भी सुधार आया। विद्यालय में रखी टंकी में अब जल संग्रह होता है, इसका काफी सदुपयोग भी होता है। शौचालय की भी समुचित व्यवस्था की गई है। इससे बालिकाओं में नामांकन दर में बेतहाशा वृद्धि हुई है।

आर्थिक व सामाजिक परिवर्तन

शुद्ध पेयजल की उपलब्धता से सामाजिक भेदभाव में कमी और रहन-सहन के स्तर में बदलाव आया है। महिलाएं कृषि, पशुपालन व अन्य उत्पादक गतिविधियों में अधिक सक्रिय होकर भाग ले रही हैं। शौचालय बने और जल की उपलब्धता से महिलाओं के सम्मान-सुरक्षा में वृद्धि। महिलाओं के रोजगार का भी सृजन। 95 फीसदी लोगों के चिकित्सा खर्च में बचत।

सामाजिक सामंजस्य व दृष्टिकोण

पानी की पहुंच से जातिगत भेदभाव समाप्त। सामुदायिक संबंध मजबूत हुए। सहयोगात्मक व्यवहार में वृद्धि हुई। जल संकट के समाधान से सामाजिक तनाव में कमी अंकित की गई है। महिलाओं का आत्मबल मजबूत हुआ। ग्रामीण सामाजिक व्यवस्था में सुदृढ़ता आई है। बाल-विवाह में कमी। दहेज प्रथा में 93 फीसदी कमी।

रोजगार

जीविकोपार्जन के लिए पलायन कर रहे व्यक्तियों ने बताया कि अब गांव में ही स्वरोजगार से लाभान्वित हो रहे हैं। कृषि के लिए उपलब्ध जमीन उपजाऊ है, जिससे फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। मनरेगा में युवाओं द्वारा काम की मांग भी बढ़ी है। युवाओं का पलायन रुका। रोजगार परक,कृषि व पशुपालन कार्यों में भागीदारी बढ़ी। मुर्गी-मछली पालन, डेयरी, मोबाइल व किराना की दुकान आदि रोजगारपरक कार्यों के प्रति युवा आकर्षित होकर कार्य कर रहे हैं। जल की उपलब्धता से पशुपालन के अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं। स्वरोजगार के कारण 92 फीसदी युवाओं ने गांव में रहने को प्राथमिकता दी।

विश्वविद्यालय ने दिए सुझाव

पेयजल के उपभोग के प्रति अपव्यय रोकने के लिए जागरूकता पर जोर। स्वच्छ पेयजल की उपयोगिता व उपादेयता के प्रति जागरूक करना। सामाजिक कार्यकर्ताओं व एनजीओ के साथ मिलकर समाज को जल संरक्षण तकनीकी के बारे में शिक्षित करना। पंचायत सदस्यों व फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं की भूमिका को बढ़ावा देना। घर के नल के पानी के उपयोग के लाभों को समझाने व दैनिक उपभोग के लिए अपनाने के लिए प्रेरित करना। जल सहेलियों का सहयोग लेने से पहले उन्हें प्रशिक्षित करना। स्वच्छ पेयजल के सदुपयोग पर विशेष जोर। जलापूर्ति को लेकर विद्यालयों के चौकीदारों को भी जागरूक करना।

ढाई महीने में बुंदेलखंड के सात जनपदों के 70 गांव में टीम ने अध्ययन किया गया। टीम में शोधार्थी और 4 फैकल्टी मेम्बर शामिल रहे। हमने यह पाया कि हर घर जल की वजह से आमजन के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। हर परिवार के पास पानी पहुंच गया है। पीने के पानी के कारण लोगों का स्वास्थ्य काफी अच्छा रहा है। इसके साथ ही यह भी महसूस किया गया कि पानी के संरक्षण पर भी जागरूकता की आवश्यकता है। **-डॉ. यतीन्द्र मिश्र, असोसिएट प्रोफेसर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी**

मोदी-योगी ने जल जीवन मिशन से बदली बुंदेलखंड की दशा-दिशा, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के अध्ययन ने लगाई मुहर

पीएम मोदी और सीएम योगी की जल जीवन मिशन योजना से बुंदेलखंड में बदलाव आया है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के अध्ययन के अनुसार हर घर नल परियोजना से स्वास्थ्य शिक्षा और आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। महिलाओं और युवाओं को रोजगार मिला है और सामाजिक भेदभाव कम हुआ है। विश्वविद्यालय ने जल संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने के सुझाव भी दिए हैं।

BY JAGRAN NEWS
EDITED BY: AMIT SINGH
UPDATED: SUN, 25 MAY 2025 03:59 PM (IST)

डिजिटल डेस्क, लखनऊ। पीएम मोदी व सीए योगी ने जल जीवन मिशन योजना के तहत हर घर नल परियोजना से बुंदेलखंड की दशा-दिशा बदल दी। यह दावा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग का अध्ययन कर रहा है। राज्य जल व स्वच्छता मिशन कार्यालय के आग्रह पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ने सभी सातों जनपदों के 10-10 गांवों में जाकर सर्वे किया।

एक तरफ विश्वविद्यालय ने जहां स्वास्थ्य, शिक्षाआर्थिक मानकों व सामाजिक दृष्टिकोण में आए सकारात्मक पहलुओं को उजागर किया तो वहीं कई विभाग को कई सुझाव भी दिए। अध्ययनमहिलाओं, युवाओं, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों आदि से बातचीत के आधार पर किया गया। अध्ययन के जरिए बुंदेलखंड के लोगों के जीवन में आए बदलाव को रेखांकित किया गया।

बुंदेलखंड के सातों जनपदों के 10-10 गांवों में हुआ सर्वे

बांदाः नारायणपुर, मझिवा सानी, जखनी, गोरेमऊ कलां, डाडामऊ, नरी, सहूरपुर,गरौली शुक्ल, थरथुआ व बड़ांखर खुर्द

चित्रकूटः देउंधा,चहटा, नोनमई, बुधवल, बरहट, रामटेकवा, बसावनपुर, मानिकपुर, सरहट व हनुवा

हमीरपुरः हरौलीपुर, पचखुरा, बिलौटा, रिऊआ, हसऊपुर सैंसा, धरकपुर, जरिया टीला, करगवा, टिकुर व अतरा

झांसीः गुवावली, बैजपुर, सिंया, सुल्तानपुरा, पुरवा, घाटकोटरा, पारीक्षा, तिलैथा, गैरहा व चिंरकना

जालौनः हथेरी, चमारी, रायपुरा, रवा, रूरा सिरसा, सला (जम्होरी खुर्द), झगुई खुर्द, मषई एट (धमसेनी), जौसारी खुर्द व गिरथान

महोबाः बरी, बघवा खेड़ा, गड़हरी, रिंहुनिया, इमली खेड़ा, बमनेथा, काशीपुरा, लिलवा, धनावन व कुरौरा डांग

ललितपुरः रामपुर, बदनपुर, पिपरट, बम्हौरी, कचनौदा, गुगखारा, कल्याणपुरा, गदयाना, इक्कलगुवा व थनरावा

विश्वविद्यालय ने योजना लागू होने के बाद आए बदलावों का किया जिक्र

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने जल जीवन मिशन योजना के लागू होने के बाद आमजन के जीवन में आए बदलावों का जिक्र किया। यह रिपोर्ट स्वास्थ्य सुधार, शिक्षा पर प्रभाव,आर्थिक व सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक सामंजस्य व दृष्टिकोण, रोजगार समेत पांच पहलुओं को लेकर की गई है।

स्वास्थ्य सुधारः रिपोर्ट के मुताबिक गांव के प्रत्येक परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है,जिससे लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आया है। जल जनित बीमारियों से छुटकारा और पाचन क्रिया में सुधार हुआ। पेट संबंधी समस्याएं भी कम हुई हैं। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से मानसिक सुकून मिला, जिससे कार्य क्षमता में वृद्धि हुई। मातृ मुत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है। गर्भवती व स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य में सुधार हआ। दूर से जल लाने के कारण होने वाले गर्दन व कमर दर्द से निजात मिला। दूषित जल के कारण हड्डियां कमजोर होती थीं, जिसमें कमी आई है। इलाज पर होने वाले खर्च से पैसे में काफी बचत।

शिक्षा पर प्रभावः योजना से विद्यालयों को पूर्णतः संतप्त कर दिया गया है। स्कूलों में बच्चों (खासतौर पर बालिकाओं) का नामांकन बढ़ा है। ड्राप आउट कम हुआ। योजना के कारण स्वच्छता में भी सुधार आया। विद्यालय में रखी टंकी में अब जल संग्रह होता है, इसका काफी सदुपयोग भी होता है। शौचालय की भी समुचित व्यवस्था की गई है। इससे बालिकाओं में नामांकन दर में बेतहाशा वृद्धि हुई है।

आर्थिक व सामाजिक परिवर्तनः शुद्ध पेयजल की उपलब्धता से सामाजिक भेदभाव में कमी और रहन-सहन के स्तर में बदलाव आया है। महिलाएं कृषि, पशुपालन व अन्य उत्पादक गतिविधियों में अधिक सक्रिय होकर भाग ले रही हैं। शौचालय बने और जल की उपलब्धता से महिलाओं के सम्मान-सुरक्षा में वृद्धि। महिलाओं के रोजगार का भी सृजन। 95 फीसदी लोगों के चिकित्सा खर्च में बचत।

सामाजिक सामंजस्य व दृष्टिकोणः पानी की पहुंच से जातिगत भेदभाव समाप्त। सामुदायिक संबंध मजबूत हुए। सहयोगात्मक व्यवहार में वृद्धि हुई। जल संकट के समाधान से सामाजिक तनाव में कमी अंकित की गई है। महिलाओं का आत्मबल मजबूत हुआ। ग्रामीण सामाजिक व्यवस्था में सुदृढ़ता आई है। बाल-विवाह में कमी। दहेज प्रथा में 93 फीसदी कमी।

रोजगारः जीविकोपार्जन के लिए पलायन कर रहे व्यक्तियों ने बताया कि अब गांव में ही स्वरोजगार से लाभान्वित हो रहे हैं। कृषि के लिए उपलब्ध जमीन उपजाऊ है, जिससे फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। मनरेगा में युवाओं द्वारा काम की मांग भी बढ़ी है। युवाओं का पलायन रुका। रोजगार परक,कृषि व पशुपालन कार्यों में भागीदारी बढ़ी। मुर्गी-मछली पालन, डेयरी, मोबाइल व किराना की दुकान आदि रोजगारपरक कार्यों के प्रति युवा आकर्षित होकर कार्य कर रहे हैं। जल की उपलब्धता से पशुपालन के अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न हुई हैं। स्वरोजगार के कारण 92 फीसदी युवाओं ने गांव में रहने को प्राथमिकता दी।

विश्वविद्यालय ने दिए सुझावः पेयजल के उपभोग के प्रति अपव्यय रोकने के लिए जागरूकता पर जोर। स्वच्छ पेयजल की उपयोगिता व उपादेयता के प्रति जागरूक करना। सामाजिक कार्यकर्ताओं व एनजीओ के साथ मिलकर समाज को जल संरक्षण तकनीकी के बारे में शिक्षित करना। पंचायत सदस्यों व फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं की भूमिका को बढ़ावा देना। घर के नल के पानी के उपयोग के लाभों को समझाने व दैनिक उपभोग के लिए अपनाने के लिए प्रेरित करना। जल सहेलियों का सहयोग लेने से पहले उन्हें प्रशिक्षित करना। स्वच्छ पेयजल के सदुपयोग पर विशेष जोर। जलापूर्ति को लेकर विद्यालयों के चौकीदारों को भी जागरूक करना।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के असोसिएट प्रोफेसर डॉ. यतीन्द्र मिश्र ने बताया कि ढाई महीने में बुंदेलखंड के सात जनपदों के 70 गांव में टीम ने अध्ययन किया गया। टीम में शोधार्थी और 4 फैकल्टी मेम्बर शामिल रहे। हमने यह पाया कि हर घर जल की वजह से आमजन के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। हर परिवार के पास पानी पहुंच गया है। पीने के पानी के कारण लोगों का स्वास्थ्य काफी अच्छा रहा है। इसके साथ ही यह भी महसूस किया गया कि पानी के संरक्षण पर भी जागरूकता की आवश्यकता है।

THE TIMES OF INDIA

Jal Jeevan Mission transforms fortune of rural Bundelkhand: Study

TNN / Updated: May 26, 2025, 16:27 IST

LUCKNOW: The Jal Jeevan Mission (JJM) transformed Bundelkhand's fortune, as shown by a study carried out by Bundelkhand University in 70 villages across seven districts.

The study found a significant improvement in villagers' standard of living, social mindset, health conditions, education, employment and overall economic well-being. For instance, the study showed 95% of respondents saying better health helped them save on healthcare costs.Likewise, the study found that 92% of surveyed youth preferred staying in their villages due to these new opportunities. Around 93% of respondents acknowledged a reduction in dowry-related cases due to the strengthening of the rural social fabric.

The survey captured insights from women, youth, ASHA and Anganwadi workers, teachers and students and assessed five key dimensions of impact: health improvement, educational outcomes, economic development, social change and harmony and employment generation. It reveals that access to clean drinking water under the Har Ghar Jal scheme significantly improved public health in rural Bundelkhand. Villagers experienced a marked decline in water-borne diseases, improved digestion and fewer stomach-related ailments.The availability of clean water also provided mental peace, resulting in increased work efficiency. Maternal mortality saw a notable reduction, with pregnant and lactating women reporting better health.

Additionally, the burden of fetching water from distant sources—previously a cause of neck and back pain—eased. Contaminated water earlier led to bone weakening, which has now diminished. The JJM also impacted education. As all schools in the surveyed villages were fully integrated with the scheme, there was a notable rise in school enrolment, particularly among girls and a significant reduction in dropout rates, the study showed.Schools now have clean water, which led to enhanced hygiene and sanitation. Water is now stored in school tanks and used effectively. Improved toilet facilities, made possible by the scheme, further encouraged female students to attend school regularly, the study shows.

The survey further highlights how the availability of safe drinking water shifted rural living standards and reduced social discrimination. Women now actively participate in agriculture, animal husbandry and other income-generating activities. The construction of toilets and reliable water supply enhanced women's dignity and safety. The scheme also created employment opportunities for women. The report noted a substantial decline in caste-based discrimination, with improved access to water fostering unity and cooperative behaviour within communities.

There was also a rise in demand for work under MGNREGA, and youth increasingly stayed back to pursue livelihood opportunities in agriculture, dairy, poultry, fish farming, mobile services, and retail.